लर्निंग-अर्निंग-रिटर्निंग को समझते हुए युवा बनायें अपनी अलग पहचान: राज्यपाल 11-4-2017

गोहाना, 11 अप्रैल। भक्त फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के तृतीय दीक्षांत समारोह में छात्राओं को डिग्रियां व स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए मु य अतिथि राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी नेछात्राओं (युवा शक्ति)को समाज में अपनी अलग विशिष्ट पहचान स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रो. सोलंकी ने छात्राओं को लर्निंग-अर्निंग-रिटर्निंग के सिद्धांत को आत्मसात कर कर्मठता के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने हरियाणा में महिलाओं की साक्षर दर शत-प्रतिशत करने का भी आह्वान किया।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने दीक्षांत समारोह की बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थी काल में लर्निंग का विशेष महत्व होता है, किंतु इसे मात्र किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखना चाहिए। लर्निंग से व्यक्तित्व-चरित्र-सामर्थ्य निर्माण होना चाहिए। जो सीखा है उसे व्यवहार में लाना चाहिए। इसके बाद अर्निंग की बात आती है। भौतिक जीवन में आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अर्थ की जरूरत पड़ती है, जिसके लिए अच्छे साधनों का उपयोग करना चाहिए। लर्निंग का प्रभाव अर्निंग पर पड़ना चाहिए। तत्पश्चात् रिटर्निंग की बारी आती है, जिसका खास ध्यान रखना चाहिए। विद्यार्थी शिक्षा अर्जित कर जिस स्तर पर पहुंचता है उसमें उसके परिवार के साथ शिक्षकों व सरकार की विशेष भूमिका होती है। अत: इन सबके प्रति कृतज्ञ रहते हुए इन्हें रिटर्न करते हुए जीवन को सफल बनाना चाहिए।

प्रो. सोलंकी ने कहा कि परिवार के बाद समाज आता है जहां परस्पर अनुकूलता होनी चाहिए जो कि जीवन के लिए आवश्यक गुण है। युवाओं को समाज में अपनी विशिष्ट पहचान कायम करनी चाहिए, जिसके लिए दीक्षा, कुशलता व व्यवहार को माध्यम बनाया जा सकता है। इसके लिए पवित्रता होनी चाहिए। सरकार का स्वच्छता अभियान इसी ओर संकेत करता है। स्वच्छता को भौतिक रूप में व पवित्रता को आध्यात्मिक रूप में जाना जाता है। हमारे रहन-सहन व आचार-विचार आदि में पवित्रता कायम रहनी चाहिए। इसके साथ परिश्रम बहुत जरूरी है। बिना मेहनत के कोई भी लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। निठल्ले रहकर सबकुछ हासिल करने की सोच का त्याग करना चाहिए। ऐसी सोच परिश्रम का अनादर है। परिश्रम के बल पर खुद को प्रामाणिक करना चाहिए। अत: जीवन में परिवार, पहचान, परिश्रम, पवित्रता, प्रामाणिकता तथा परस्पर अनुकूलता रूपी तत्वों का समावेश होना चाहिए। युवाओं को इन गुणों के साथ आगे बढ़ना चाहिए, जिनसे समाज व राष्ट्र का अत्यधिक अपेक्षाएं हैं।

इस दौरान राज्यपाल ने महिला शिक्षा पर विशेष रूप से बल देते हुए कहा कि हरियाणा में यह दर करीब ख्ब प्रतिशत है, जिसे शत-प्रतिशत करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पुरुषों की अपेक्षा समाज को आगे बढ़ाने में महिलाएं अधिक योगदान देती हैं। उन्होंने कहा कि क-फ्म में भक्त फूल सिंह मात्र तीन लड़कियों के साथ इस गुरुकुल की स्थापना की थी, जिसने वर्ष ख्म में विश्वविद्यालय का रूप धारण किया। आज यहां लगभग ख्त्र लड़कियां शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय में और अधिक पाठ्यक्रम शुरु किये जाने चाहिए। बेटियों को जिसकी जरूरत हो वह शुरुआत की जाए।

दीक्षांत समारोह की विशिष्ट अतिथि शहरी स्थानीय निकाय तथा महिला एवं बाल कल्याण मंत्री कविता जैन ने उपाधि प्राप्त करने वाली छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि देश व समाज को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं का सर्वांगीण विकास आवश्यक है। बेटियां राष्ट्र का गौरव हैं, जिन्हें शिक्षित करने के लिए इस गुरुकुल/विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। यहां भारत की संस्कृति व स यता रची-बसी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया है। यदि देश को विकास पथ पर तीव्रता से दौड़ाना है तो महिलाओं को राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक रूप से सक्षम बनाना होगा। उन्होंने कहा कि भारत युवाओं का देश है

जो अपनी संस्कृति के बल पर हिंदुस्तान को पुन: विश्वगुरु का दर्जा दिला सकते हैं। भारतीय संस्कृति को विश्व ने स्वीकारा है। इसका प्रमाण विश्वस्तर पर योग दिवस का आयोजन है तथा ख्फ देशों में एक साथ गीता के श्लोकों का उच्चारण है।

दीक्षांत समारोह में विभिन्न संकायों की क्त्फ छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की गई। इस अवसर पर हरियाणा राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम के चेयरमैन रामचंद्र जांगड़ा, भक्त फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशा काद्यान, राज्यपाल के सचिव अमित अग्रवाल, देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कायत, भाजपा के जिला अध्यक्ष डा. धर्मबीर नांदल, मनिंद्र सन्नी, नगर पालिका गन्नौर की चेयरपर्सन रजनी विरमानी, उपायुक्त के. मकरंद पांडुरंग, पुलिस अधीक्षक अश्विन शैणवी, कविता चक्रवर्ती, श्वेता सिंह आदि शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारी मौजूद थे।

दीक्षांत समारोह की स्मारिका का किया विमोचन:

भक्त फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह के मु□य अतिथि कुलाधिपति राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने इस मौके पर दीक्षांत समारोह की स्मारिका को लोकार्पित किया। इस दौरान सभी अतिथियों को स्मारिका की प्रतियां भेंट की गई।

स्नातकोŽार की इन छात्राओं को मिला स्वर्ण पदक:

राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने दीक्षांत समारोह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली स्नातकोŽार की छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान कर स□मानित किया। इनमें सोनिया, किरण, मोनिका रानी, अंजू, रीना, सोनम कुमारी, बरखा सैनी, अंकिता, कुसुम यादव, कशिश, मनीषा, राखी देवी, प्रेरणा पालीवाल, भारती, संगीता यादव, एकता, शालिनी, दीप्ति, मंदीप कुमारी, मेनका, सुशीला, पूनम रानी, रीना देवी, पूनम, कीर्ति, सोनिया देवी, अनु व सुमन देवी आदि शामिल थी।

स्नातकीय छात्राओं को स्वर्ण पदक से किया सुशोभित:

स्नातकीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को भी स्वर्ण पदक प्रदान कर सुशोभित किया गया। इनमें सुदेश रानी, कीर्ति गुप्ता, दिशा जैन, शेफाली, निशा, शालू, दीपिका, रूपाली, दीक्षू, रतनदीप, वंदना, नमिता, आरजू तोमर, अनु, राजदीप कौर, प्रीति, रचना, कामिनी गुप्ता, सोनम, पूजा, अनु, ज्योति, आशिमा व पूजा वधवा आदि स□मलित थी।

तृतीय दीक्षांत
प्रो. कप्तान सिंह

Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan, Haryana
CONVOCATION
TUESDAY, APRIL 11, 2017
CHIEF GUEST
F. KAPTAN SINGH SOLANKI
Hon'ble Governor, Haryana & Chancellor, BPSMV
GUEST OF HONOUR
PROF. RAM BILAS SHARMA
Hon'ble Education Minister, Govt. of Haryana
DISTINGUISHED GUESTS
sh Kaushik
t. Kavita Jain

तृतीय दीक्षांत समारोह
प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी
प्रो. राम बिलास शर्मा
3rd CONVOCATION
TUESDAY, APRIL 11, 2017
CHIEF GUEST
PROF. KAPTAN SINGH SOLANKI
GUEST OF HONOUR
PROF. RAM BILAS SHARMA

तृतीय दीक्षांत समारोह
प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी
प्रो. राम बिलास शर्मा
3rd CONVOCATION
TUESDAY, APRIL 11, 2017
CHIEF GUEST
PROF. KAPTAN SINGH SOLANKI
GUEST OF HONOUR
PROF. RAM BILAS SHARMA

तृतीय दीक्षांत समारोह
प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी
प्रो. राम विलास शर्मा
Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan, Haryana
3rd CONVOCATION
TUESDAY, APRIL 11, 2017
CHIEF GUEST
PROF. KAPTAN SINGH SOLANKI
Hon'ble Governor, Haryana & Chancellor, BPSMV
GUEST OF HONOUR
PROF. RAM BILAS SHARMA
Hon'ble Education Minister, Govt. of Haryana
Kavita Jain